पाठ 1

मेरा देश महान बने

● उदय शंकर भट्ट

आइए, सीखें : राष्ट्र प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जाग्रत करना। ♦ प्रत्यय, विपरीत शब्दों का परिचय।

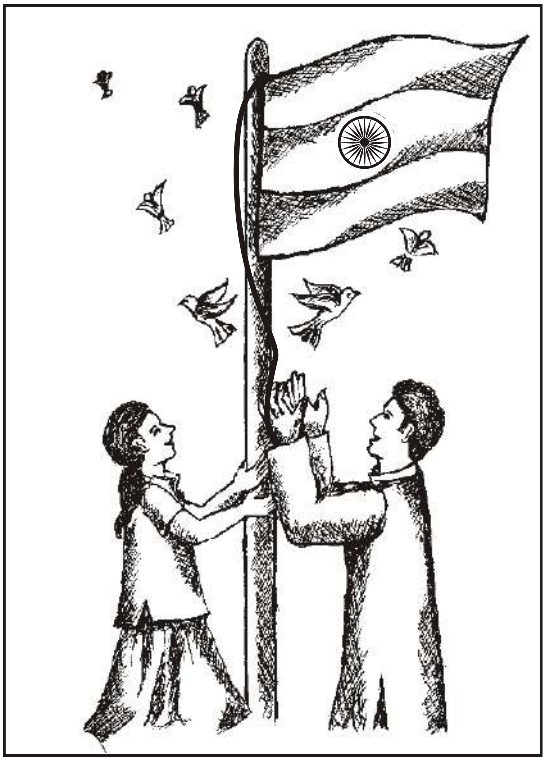

एक ध्येय हो, एक श्रेय हो, एक समान विधान बने ।
मेरा देश महान बने ।
एक देश हो, एक वेश हो ,
प्राणवान हो, सदुद्देश्य हो,
एक ध्यान हो निज गुरूता का
एक हिमालय-सी उठान हो,
मरण एक हो, वरण एक हो, जीवन एक समान बने ।
मेरा देश महान बने।
सिहों से लड़ने वाले हों,
अवसर पर अड़ने वाले हों,
हँसते-हँसते मौत मसल कर,
आसमान चढ़ने वाले हों
वज्र बने दुश्मन को, प्रिय को फूलों की मुस्कान बने ।
मेरा देश महान बने
उठें, देश के लिए उठें हम,
जिएँ, देश के लिए जिएँ हम,
गलें, देश के लिए गलें हम,
मरें, देश के लिए मरें हम,
तन में मन में यही ध्यान हो, भारत महिमावान् बने ।
मेरा देश महान बने।

शिक्षण संकेत -
♦ कविता को हाव-भाव और लय के साथ बच्चों को सुनाएँ और उनसे सुनें। ♦ कठिन शब्दों के अर्थ बच्चों की सहभागिता से स्पष्ट करें। ♦ कविता के भाव बच्चों की सहभागिता से स्पष्ट करें। ♦ देश प्रेम की अन्य कविताएँ याद करने को कहें।

नए शब्द –

ध्येय = लक्ष्य। **श्रेय** = कल्याण, शुभ, मंगल, यश, । **गुरूता** = बड़प्पन, श्रेष्ठता । **वरण** = चयन।
प्राणवान = जीवित सजीव । **वज्र**–कठोर। **विधान** = संविधान, नियम। **सदुद्देश्य** = (सत्+उद्देश्य) अच्छा उद्देश्य।

अनुभव विस्तार

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

(क) सही जोड़ी बनाइए –:

मेरा देश	–	उठान हो
एक हिमालय सी	–	महान बने
सिहों से	–	दुश्मन को
वज्र बने	–	लड़ने वाले हों

(ख) दिए गए विकल्पों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

(अ) एक ध्येय हो, एक श्रेय हो, एक समान .... बने। (महान,विधान)

(ब) सिहों से लड़ने वाले हों, अवसर पर............ वाले हों (अड़ने,उड़ने)

(स) तन में, मन में यही...........................भारत महिमावान बने।(ध्यान, ज्ञान)

(द) मरण एक हो, ... एक हो, जीवन एक समान बने ।(चरण, वरण)

2. **अति लघु उत्तरीय प्रश्न–**

(अ) देश वासियों का केवल एक ध्येय क्या होना चाहिए?

(ब) देशवासियों को सदैव किस बात का ध्यान रहना चाहिए?

(स) कवि के अनुसार जीवन कैसा होना चाहिए?

(द) दुश्मन के सामने हमें क्या बन जाना चाहिए?

3. **लघु उत्तरीय प्रश्न–**

(अ) कवि युवकों को कैसा बनने की प्रेरणा देता है?

(ब) 'हँसते–हँसते मौत मसलकर आसमान चढ़ने वाले हों' से कवि का क्या आशय है?

(स) कवि को देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ हैं?

(द) देश की एकता और अखण्डता के लिए कवि ने कौन–कौन से सूत्र दिए हैं?

4. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए-

(अ) मरण एक हो, वरण एक हो, जीवन एक समान बने !

(ब) सिहों से लड़ने वाले हों, अवसर पर अड़ने वाले हों !

भाषा की बात-

1. बोलिए और लिखिए-

(अ) ध्येय, वज्र, दुश्मन, मुस्कान, प्रिय

(ब) अधोलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

गुरुता, सदुद्देश्य, जीवन, विधान, महिमावान

2. निम्नलिखित शब्दो में से शुद्ध शब्द छाँटकर दिए गए स्थान में लिखिए-

(अ) वजर, वर्ज, र्वज, वज्र ....

(ब) ध्येय, ध्यय, धेयय, धयये ....

(स) हीमालय, हिमालय, हेमालय, हमालय ....

(द) गुरूता, गरूरता, गूरूता, गुरुता ....

3. निम्नलिखित शब्दो में से फूल एवं आसमान के पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए-

कुसुम, आकाश, नभ, गगन, पुष्प, सुमन, प्रसून, अम्बर

फूल	आसमान

■ **ध्यान दीजिए-**

1. **एक देश हो, एक वेश हो प्राण वान हो सदुद्देश्य हो,**
तन में, मन में यही ध्यान हो, भारत महिमावान बने.

मूलशब्द	+	**प्रत्यय**	=	**नवीन शब्द**
प्राण	+	वान	=	प्राणवान
महिमा	+	वान	=	महिमावान

इन पंक्तियों में आए प्राणवान एवं महिमावान शब्द प्राण एवं महिमा में वान प्रत्यय को जोड़कर बने हैं जो नवीन अर्थ प्रदान करते हैं।

- **इसे भी समझिए –**

आध्यात्मिक स्वास्थ्य अच्छा बने रहने से शारीरिक – मानसिक, भावनात्मक व सामाजिक स्वास्थ्य स्वत: अच्छे रहते हैं। ऐसे व्यक्ति को सफलता के पीछे भागने की आवश्यकता नहीं होती है।

उपर्युक्त पंक्तियों में आए रेखांकित शब्दों को समझिए–

मूल शब्द	**शब्दांश (प्रत्यय)**	**नया शब्द**
अध्यात्म	इक	आध्यात्मिक
समाज	इक	सामाजिक
शरीर	इक	शारीरिक
मानस	इक	मानसिक
सफल	ता	सफलता
आवश्यक	ता	आवश्यकता

मूल शब्द में प्रत्यय लगाने से जो नवीन शब्द बनता है, उसमें मूल शब्द के अर्थ से कुछ विशेषता आ जाती है, जैसे शरीर में इक प्रत्यय लगने से शारीरिक नया शब्द बनता है, जिसका अर्थ होता है शरीर से संबंधित। इसी प्रकार सफल मूल शब्द में तो प्रत्यय लगने से सफलता नया शब्द बनता है, जिसका अर्थ होता है सफल होने का भाव।

2. निम्नांकित शब्दों में 'वान' प्रत्यय जोड़कर चार शब्द बनाइए–

शब्द

1. गाड़ी + ...
2. धन + ...
3. कोच + ...
4. बल + ...

- **पढ़िए और समझिए–**

कलुष भेद तम हर, प्रकाश भर, जगमग जग कर दे!

कविता की उक्त पंक्तियों में तम एवं प्रकाश शब्द एक दूसरे के विपरीत अर्थ व्यक्त करते हैं।

3. **उदाहरण के अनुसार विपरीतार्थी शब्द लिखिए -**

समान	–	असमान
स्वदेश	–	....
नूतन	–	....
सजीव	–	....
फूल	–	....
दुश्मन	–	....
हँसना	–	....

अब करने की बारी

- देशप्रेम, मातृभूमि प्रेम, भ्रातृ-प्रेम पर अपने शब्दों में कविताएँ रचने का प्रयास कीजिए।
- देश के विकास के लिए देश और प्रदेश में क्या-क्या विकास योजनाएँ चल रही हैं समाचार पत्रों से कटिंग काटकर शिक्षक के सहयोग से एलबम बनाइए।